Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

OMR Sheet No. : .....
(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

N 0 9 1 1 7

PAPER - II
PRAKRIT

Time : 1¼ hours] **[Maximum Marks : 100**

Number of Pages in this Booklet : **16**

Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
   Example : ① ② ● ④ where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There are no negative marks for incorrect answers.**
13. In case of any discrepancy in the English and Hindi versions, English version will be taken as final.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।
   उदाहरण : ① ② ● ④ जबकि (3) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं। यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें। हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही प्रयोग करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं।**
13. यदि अंग्रेजी या हिंदी विवरण में कोई विसंगति हो, तो अंग्रेजी विवरण अंतिम माना जाएगा।

PRAKRIT

PAPER - II

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are **compulsory**.

1. Generally, Ardhamagadhi Prakrit belongs to this period of the development of Prakrit :

(1) Second age (2) Modern age (3) First age (4) Third age

2. Life - Sketch of 24 Tīrthaṅkaras is found in this earliest Śauraseni text :

(1) Kasāyapāhuḍa (2) Dhavala Ṭīkā (3) Mūlācāra (4) Tiloyapaṇṇtti

3. The Niyamasāra was composed by :

(1) Yativṛṣabha (2) Kundakunda (3) Śivārya (4) Haribhadra

4. This is the work of Acharya Shivarya :

(1) Ārādhanāsāra (2) Kṣapaṇāsāra

(3) Mūlācāra (4) Bhagavatī Ārādhanā

5. Mahābandha is composed by :

(1) Puṣpadanta (2) Guṇadhara (3) Bhūtabli (4) Kundakunda

6. This is an example of mutual assimilation :

(1) bhiṇṇaṃ (2) akko (3) ruddo (4) ajja

7. In the place of the fourth case-ending this is used into prakrit as :

(1) First (2) Third (3) Seventh (4) Sixth

प्राकृत

प्रश्नपत्र - II

नोट : इस प्रश्न-पत्र में **पचास (50)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं। सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं।

1. प्राकृत भाषा के विकासक्रम में 'अर्धमागधी' प्राकृत को प्राय: इस युग की माना जाता है :

   (1) द्वितीययुगीन (2) आधुनिकयुगीन (3) प्रथमयुगीन (4) तृतीययुगीन

2. चौबीस तीर्थंकरों का जीवन - विवरण प्रस्तुत करनेवाला प्राचीनतम शौरसेनी ग्रन्थ है :

   (1) कसायपाहुड (2) धवला टीका (3) मूलाचार (4) तिलोयपण्णत्ति

3. निमयसार के लेखक हैं :

   (1) यतिवृषभ (2) कुंदकुंद (3) शिवार्य (4) हरिभद्र

4. आचार्य शिवार्य द्वारा रचित ग्रन्थ यह है :

   (1) आराधनासार (2) क्षपणासार

   (3) मूलाचार (4) भगवती आराधना

5. महाबन्ध के लेखक हैं :

   (1) पुष्पदन्त (2) गुणधर (3) भूतबलि (4) कुन्दकुन्द

6. यह परस्परगामी समीकरण का उदाहरण है :

   (1) भिण्णं (2) अक्को (3) रुद्दो (4) अज्ज

7. प्राकृत में चतुर्थी विभक्ति के स्थान पर इस विभक्ति का प्रयोग होता है :

   (1) प्रथमा (2) तृतीया (3) सप्तमी (4) षष्ठी

8. Śaurasenī is used by these characters in ancient dramas :

(1) Fisherman (2) King (3) Monks (4) Female characters

9. 'Stha' is changed into Māgadhī as :

(1) ttha (2) sta (3) tta (4) stha

10. This is the feature of Māgadhī :

(1) 'l' becoming 'r' (2) 'c' becoming 'j'

(3) 'r' becoming 'l' (4) 'ś' becoming 's'

11. The other name of Kasāyapāhuḍa is :

(1) Gaṇipavijjā (2) Mokkhadhamma

(3) Jīvaṭṭhāṇa (4) Pejjdosapāhuḍa

12. The Paṇhavāgaraṇaṁ text mainly deals with :

(1) Punya - Pāpa (2) Bandha-Mokṣa

(3) Āsrava - Saṃvara (4) Jīva - Ajīva

13. Nisīha - Mahānisīha is included into this following group of Agama :

(1) Chedasūtra (2) Upāṅga

(3) Prakīrṇaka (4) Mūlasūtra

14. The second recitation of Ardhamagadhi canons was held at :

(1) Pataliputra (2) Mathura (3) Valabhi (4) Rajgiri

15. The Kasāyapāhuḍa is composed by :

(1) Yativṛṣabha (2) Puṣpadanta (3) Kundakunda (4) Guṇadhara

8. प्राचीन नाटकों में इन पात्रों के द्वारा शौरसेनी बोली जाती है :

(1) धीवर (2) राजा (3) साधु (4) महिला पात्रों

9. मागधी में 'स्थ' का यह परिवर्तन होता है :

(1) त्थ (2) स्त (3) त्त (4) स्थ

10. यह मागधी का लक्षण है :

(1) 'ल' का 'र' होना (2) 'च' का 'ज' होना

(3) 'र' का 'ल' होना (4) 'श' का 'स' होना

11. कसायपाहुड का दूसरा नाम है :

(1) गणिपविज्जा (2) मोक्खधम्म

(3) जीवट्ठाण (4) पेज्जदोसपाहुड

12. पण्हवागरणं ग्रन्थ की प्रमुख रूप से यह विषयवस्तु है :

(1) पुण्य-पाप (2) बन्ध - मोक्ष

(3) आस्रव-संवर (4) जीव-अजीव

13. 'निसीह - महानिसीह' आगम के इस समूह में सम्मिलित है :

(1) छेदसूत्र (2) उपांग

(3) प्रकीर्णक (4) मूलसूत्र

14. अर्धमागधी आगमों की द्वितीय वाचना यहाँ पर हुई थी :

(1) पाटलिपुत्र (2) मथुरा (3) वलभी (4) राजगिरि

15. 'कसायपाहुड' के रचनाकार हैं :

(1) यतिवृषभ (2) पुष्पदन्त (3) कुन्दकुन्द (4) गुणधर

16. The period of Ṇāyakumāracārariu is this :

(1) 8th Century C.E. (2) 10th Century C.E.

(3) 12th Century C.E. (4) 3rd Century B.C.E.

17. The period of Deśīnāmamālā written by Hemchandra is :

(1) 10th Century C.E. (2) 11th Century C.E.

(3) 12th Century C.E. (4) 14th Century C.E.

18. The name of the town 'Aṇahilpur' is related to this king :

(1) King Mahendrapal (2) Shri Krishnaraj

(3) Driḍhavarmā (4) King Kumarpal

19. The ''Gāhākosa'' is the earlier name of :

(1) Gāhālakkhaṇa (2) Gāhāsaṭṭasaī (3) Gauḍavaho (4) Gacchācāra

20. This is the work of Maheshwarsuri :

(1) Nāṇapañcamīkahā (2) Pāiyakahāsaṅgaho

(3) Jinadattakhyana (4) Kumārpālapratibodha

21. The kind of Nāṭikā is :

(1) Vīthī (2) Rāsaka (3) Toṭaka (4) Saṭṭaka

22. Ghanaśyāma is the author of :

(1) Siṅgāramañjarī (2) Ānandasundarī (3) Rambhāmañjarī (4) Vilāsavatī

23. This text is written by Rudradāsa :

(1) Ānandasundarī (2) Siṅgāramañjarī (3) Candalehā (4) Rambhāmañjarī

24. Karpūramañjarī was composed in this period :

(1) 10th C.E. (2) 12th C.E. (3) 13th C.E. (4) 14th C.E.

16. णायकुमारचरिउ का रचनाकाल यह है :

(1) 8 वीं शताब्दी ईस्वी (2) 10 वीं शताब्दी ईस्वी

(3) 12 वीं शताब्दी ईस्वी (4) 3 री शताब्दी ई.पू.

17. हेमचन्द्र द्वारा रचित देशीनाममाला का रचनाकाल यह है :

(1) 10 वीं शताब्दी ईस्वी (2) 11 वीं शताब्दी ईस्वी

(3) 12 वीं शताब्दी ईस्वी (4) 14 वीं शताब्दी ईस्वी

18. 'अणहिलपुर' नामक नगर का सम्बन्ध इस राजा से है :

(1) राजा महेन्द्रपाल (2) श्री कृष्णराज

(3) दृढ़वर्मा (4) राजा कुमारपाल

19. ''गाहाकोस'' इस ग्रन्थ का प्राचीन नाम है :

(1) गाहालक्खण (2) गाहासत्तसई (3) गउडवहो (4) गच्छाचार

20. यह महेश्वरसूरि की कृति है :

(1) नाणपंचमीकहा (2) पाइयकहासंगहो

(3) जिनदत्ताख्यान (4) कुमारपालप्रतिबोध

21. नाटिका का भेद है :

(1) वीथी (2) रासक (3) तोटक (4) सट्टक

22. घनश्याम इसके रचनाकार हैं :

(1) सिंगारमंजरी (2) आनन्दसुन्दरी (3) रम्भामंजरी (4) विलासवती

23. रुद्रदास ने यह रचना लिखी है :

(1) आनन्दसुन्दरी (2) सिंगारमञ्जरी (3) चन्दलेहा (4) रम्भामञ्जरी

24. कर्पूरमंजरी इस समय में रची गयी थी :

(1) 10 वी शती ई. (2) 12 वी शती ई. (3) 13 वी शती ई. (4) 14 वी शती ई.

25. Read the Units **I** and **II** for the correct match :

	I		**II**
(a)	Candalehā	(i)	Ghanaśyāma
(b)	Vilāsavatī	(ii)	Rudradāsa
(c)	Ānandasundarī	(iii)	Viśveśvara
(d)	Siṅgāramañjari	(iv)	Mārkaṇḍeya

Identify the **correct** answer :

(1) (a) + (i) (2) (b) + (iv) (3) (c) + (iii) (4) (d) + (ii)

26. This script of Aśokan inscriptions at Girnar is :

(1) Kharoṣṭhi (2) Śāradā (3) Brāhmī (4) Gujarati

27. The meaning of the word 'Samāja' mentioned in the statement 'na ca samājo kattavvo' - referred in the Girnar inscription of Aśoka is :

(1) Social gathering (2) Unethical function

(3) Self-choosing husband (4) Worshiping in parvans

28. 'Pithuṃḍa' the word has been mentioned in this line of the Hāthīgumphā Inscription :

(1) First (2) Seventh (3) Eleventh (4) Tenth

29. The text of the following inscription has started with 'Namo Arahantānaṃ' :

(1) First Girnar Inscription (2) Sixth Girnar Inscription

(3) Hathigumphā Inscription (4) Fifth Girnar Inscription

30. 'Samavāyo eva sādhu' term is found in this Girnar inscription of Ashoka :

(1) First (2) Fourth (3) Seventh (4) Twelva

31. The text, Pāiyasaddamahaṇṇava is compiled by :

(1) Dhanapāla (2) Haragovindadāsa (3) Dhanika (4) Hemachandra

25. प्रथम एवं द्वितीय खण्डों का सही मिलान कीजिए :

	I		II
(a)	चन्दलेहा	(i)	घनश्याम
(b)	विलासवती	(ii)	रुद्रदास
(c)	आनन्दसुन्दरी	(iii)	विश्वेश्वर
(d)	सिंगारमञ्जरी	(iv)	मार्कण्डेय

सही उत्तर की पहिचान कीजिए :

(1) (a) + (i) (2) (b) + (iv) (3) (c) + (iii) (4) (d) + (ii)

26. गिरनार में उपलब्ध अशोक के शिलालेखों की लिपि यह है :

(1) खरोष्ठी (2) शारदा (3) ब्राह्मी (4) गुजराती

27. सम्राट अशोक के गिरनार शिलालेखों में प्रयुक्त 'न च समाजो कत्तव्वो' में समाज शब्द का अर्थ है :

(1) समारोह (2) दोषयुक्त आयोजन

(3) स्वयंवर (4) पर्वाराधन

28. 'पिथुंड' शब्द का प्रयोग हाथीगुम्फा शिलालेख की इस पंक्ति में प्रयुक्त है :

(1) पाँचवीं में (2) सातवीं में (3) ग्यारहवीं में (4) दसवीं में

29. इस शिलालेख का प्रारम्भ 'नमो अरहंतानं' से हुआ है :

(1) प्रथम गिरनार - शिलालेख (2) छठा गिरनार - शिलालेख

(3) हाथीगुम्फा - शिलालेख (4) पंचम गिरनार - शिलालेख

30. 'समवायो एव साधु' पद गिरनार के इस अशोक-शिलालेख में उपलब्ध है :

(1) प्रथम - शिलालेख (2) चतुर्थ - शिलालेख (3) सप्तम - शिलालेख (4) द्वादशं - शिलालेख

31. पाइयसद्दमहण्णव ग्रन्थ इनके द्वारा सम्पादित है :

(1) धनपाल (2) हरगोविन्ददास (3) धनिक (4) हेमचन्द्र

32. The text Chandah-kośa is written in this period :

(1) 10^{th} C.E. (2) 14^{th} C.E. (3) 13^{th} C.E. (4) 12^{th} C.E.

33. The main subject matter of Prakritpaiṅgala is :

(1) Vyākaraṇa (2) Chanda (3) Kośa (4) Kāvya

34. This text is written by Ratnaśekharsuri :

(1) Chandolakṣaṇa (2) Chandaḥkaṃdalī (3) Chandaḥ-Kośa (4) Gāhālakkhaṇa

35. Pāiyalacchīnāmamālā is authored by :

(1) Dhanapāla (2) Dhanañjaya (3) Daṇḍī (4) Dhanika

36. This is not the Prakrit form of the word 'ātmā' :

(1) appā (2) attā (3) āṇā (4) ādā

37. Intervocalic 'dha' is changed into Prakrit as :

(1) ka (2) cha (3) ha (4) la

38. This is an example of metathesis :

(1) Sāmiddhī (2) bhāriyā (3) vāṇārasī (4) kauravā

39. Regressive Assimilation occurs in :

(1) ruddo (2) bhaddaṃ (3) rattiṃ (4) attho

40. Final 'm' of a word changes into Prakrit as :

(1) elision (2) anusvāra (3) o (4) ā

32. छन्द:कोश ग्रन्थ इस समय में लिखा गया है :

(1) 10 वीं शताब्दी ई. (2) 14 वीं शताब्दी ई. (3) 13 वीं शताब्दी ई. (4) 12 वीं शताब्दी ई.

33. प्राकृतपैंगल का मुख्य विषय यह है :

(1) व्याकरण (2) छन्द (3) कोश (4) काव्य

34. रत्नशेखरसूरि के द्वारा लिखा गया ग्रन्थ यह है :

(1) छन्दोलक्षण (2) छन्द:कंदली (3) छन्द:कोश (4) गाहालक्खण

35. पाइयलच्छीनाममाला इनके द्वारा लिखी गयी है :

(1) धनपाल (2) धनञ्जय (3) दण्डी (4) धनिक

36. यह 'आत्मा' शब्द का प्राकृत रूप नहीं है :

(1) अप्पा (2) अत्ता (3) आणा (4) आदा

37. प्राकृत में स्वर-मध्यवर्ती 'ध' का यह परिवर्तन होता है :

(1) क (2) छ (3) ह (4) ल

38. यह व्यत्यय का एक उदाहरण है :

(1) सामिद्धी (2) भारिया (3) वाणारसी (4) कउरवा

39. इसमें परागत समीकरण हुआ है :

(1) रुद्दो (2) भद्दं (3) रतिं (4) अत्थो

40. पदान्त 'म्' प्राकृत में इस रूप में परिवर्तित होता है :

(1) लोप (2) अनुस्वार (3) ओ (4) आ

41. Acārāṅga is included in this group of canonical literature :

(1) Chedasūtra (2) Mūlasūtra (3) Upāṅgasūtra (4) Aṅgasūtra

42. According to Jain tradition the last discourse of Lord Mahaveer is available in -

(1) Uttarādhyayana Sūtra (2) Ācārāṅga Sūtra

(3) Sthānāṅga Sūtra (4) Bhagavatī Sūtra

43. 'Ādā ṇāṇapamāṇaṁ' statement is quoted from this text :

(1) Samayasāra (2) Niyamasāra (3) Pravacanasāra (4) Rayaṇasāra

44. 'Aṇegaṅtakaṅḍayaṁ' is a part of this text :

(1) Samayasāra (2) Sanmatitarkaprakaraṇa

(3) Samarāiccakahā (4) Sarvārthasiddhi

45. ''Evaṁ chabbheyamidaṁ, jīvājīvappabhedo dabbaṁ.

Uttaṁ kālavijuttaṁ, ṇāyavvā paṅca atthikāyā du.''

With reference to the above verse, this statement is **not** true :

(1) Kāla is astikāya.

(2) Dravya is divided into Jīva and Ajīva.

(3) Dravyas are six.

(4) Astikāyas are five.

46. ''Taṁ jadhā - gudodaṇaṁ, ghiyaṁ, dahiṁ, taṇḍulaiṁ, ajjeṇa attavvaṁ rasāaṇaṁ savvaṁ atthi tti, evvaṁ de devā āsādedu'' this statement of Mṛcchakatikaṁ is made by :

(1) Sūtradhāra (2) Natī (3) Shakāra (4) Viduṣaka

47. The writer of Mṛcchakatikaṁ is :

(1) Kalidasa (2) Rajshekhar (3) Shudrak (4) Bhavabhuti

41. आचारांग, आगम साहित्य के इस वर्ग में परिगणित है :

(1) छेदसूत्र (2) मूलसूत्र (3) उपांगसूत्र (4) अंगसूत्र

42. जैन परम्परा के अनुसार भगवान महावीर की अन्तिम देशना इसमें उपलब्ध हैं –

(1) उत्तराध्ययनसूत्र (2) आचारांगसूत्र

(3) स्थानांगसूत्र (4) भगवतीसूत्र

43. 'आदा णाणपमाणं' कथन इस ग्रन्थ से उद्धृत है :

(1) समयसार (2) नियमसार (3) प्रवचनसार (4) रयणसार

44. 'अणेगंतकंडयं' इस ग्रन्थ का एक खण्ड है :

(1) समयसार (2) सन्मतितर्कप्रकरण

(3) समराइच्चकहा (4) सर्वार्थसिद्धि

45. ''एवं छब्भेयमिदं, जीवाजीवप्पभेदो दब्बं।
उत्तं कालविजुत्तं, णायव्वा पंच अत्थिकाया दु॥''
उपर्युक्त गाथा के अनुसार यह कथन **सही** नहीं है :

(1) काल अस्तिकाय है।

(2) जीव और अजीव द्रव्य के भेद हैं।

(3) द्रव्य छह हैं।

(4) अस्तिकाय पाँच हैं।

46. तं जधा – गुडोदणं, घिअं, दहीं, तंडुलाइं, अज्जेण अत्तव्वं रसाअणं सव्वं अत्थि त्ति, एव्वं दे देवा आसादेदु'' मृच्छकटिकम् का यह कथन इसने कहा :

(1) सूत्रधार (2) नटी (3) शकार (4) विदूषक

47. मृच्छकटिकम् के लेखक हैं :

(1) कालिदास (2) राजशेखर (3) शूद्रक (4) भवभूति

48. Kuvalayamālākahā is a :

(1) Arthakathā (2) Saṁkīrṇakathā (3) Divyakathā (4) Rajkathā

49. Mostly this type of Prakrit is used in the Karpūramañjarī :

(1) Mahārāṣṭrī (2) Māgadhī (3) Śaurasenī (4) Paiśācī

50. 'Dujjaṇa Sajjaṇahu Sahāu ehu,

sihi uṇhau sīyalu hoi mehu.' This statement is quoted from this text :

(1) Ṇemiṇāhacariu (2) Ṇāyakumāracariu

(3) Dravyasaṁgraha (4) Uttarādhyayanasūtra

- o O o -

48. कुवलयमालाकहा है :

(1) अर्थकथा (2) संकीर्णकथा (3) दिव्यकथा (4) राजकथा

49. कर्पूरमंजरी में प्रमुख रूप से इस प्राकृत का प्रयोग हुआ है :

(1) महाराष्ट्री (2) मागधी (3) शौरसेनी (4) पैशाची

50. 'दुज्जण सज्जणहु सहाउ एहु,

सिहि उण्हउ सीयलु होइ मेहु।' यह कथन इस ग्रन्थ से उद्धृत है :

(1) णेमिणाहचरिउ (2) णायकुमारचरिउ

(3) द्रव्यसंग्रह (4) उत्तराध्ययनसूत्र

- o O o -

Space For Rough Work